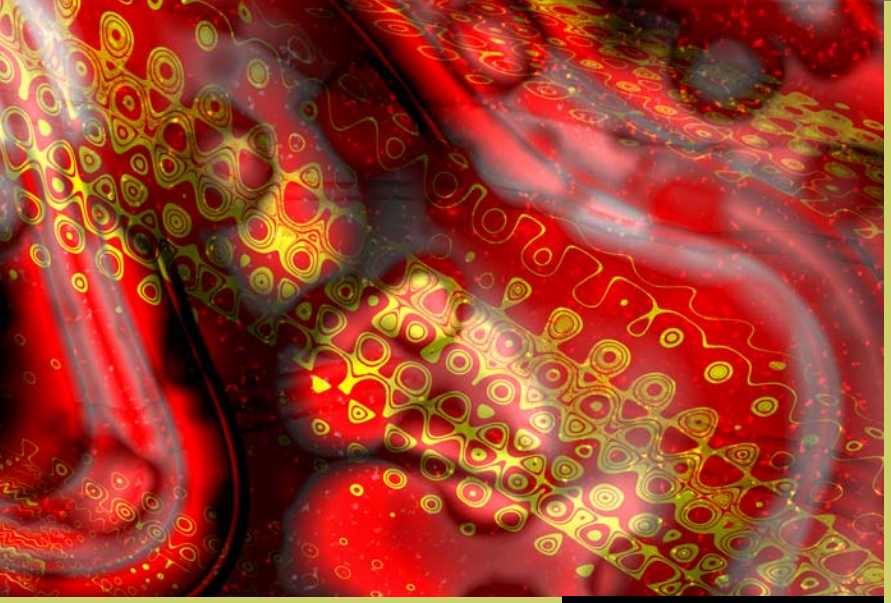

पंकज दत्ता

अमेरिकन सेंटर, कोलकाता में **लैंडमार्क्स ऑफ न्यू यॉर्क** प्रदर्शनी देखते हुए दर्शक। इस प्रदर्शनी में 81 श्वेत-श्याम छायाचित्रों के माध्यम से वर्ष 1640 के दशक से आज तक के न्यू यॉर्क की झांकी प्रस्तुत की गई है। साथ ही, प्रदर्शनी से उस कानून की 40 वीं वर्षगांठ भी रेखांकित की गई है जिसके अनुसार क्रिस्लेर तथा फ्लेटिरॉन बिल्डिंग, न्यू यॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी और एलिस आइलैंड इमिग्रेशन सेंटर जैसी धरोहरों का संरक्षण करना ज़रूरी हुआ। ये छायाचित्र जमशेदपुर में भी प्रदर्शित किए गए और चेन्नई, हैदराबाद, मैसूर, मुंबई, अहमदाबाद, भोपाल और नई दिल्ली में भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

समकालीन अमेरिकी चित्रकार डेनिस लैंडी के फोटो-चित्र अमेरिकन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित ''फोटोग्राफिंग द डिज़िटल रेल्म'' प्रदर्शनी में प्रदर्शित किए गए हैं। प्रदर्शनी 16 जून तक चलेगी। लैंडी नई दिल्ली में रहते हैं और सॉफ़्टवेयर इंजीनियर हैं। वह नए प्रकार के फोटो कैनवस तथा सिरेमिक टाइलें तैयार करने के लिए प्रौद्योगिकी के नवाचारी तरीके अपनाते हैं। प्रदर्शनी कार्य दिवसों को प्रात: 10 बजे से शाम 6 बजे तक और शनिवार को दोपहर 1 से शाम 6 बजे तक देखी जा सकती है।

हेमंत भट्टनागर

समाचार गुलदस्ता

अमेरिकी बास्केटबाल प्रशिक्षक जे. डी. वैल्श ने अप्रैल में वाई.एम.सी.ए., मुंबई के एक प्रशिक्षण सत्र में बच्चों को इस खेल के तकनीकी पहलुओं की जानकारी देने के साथ-साथ प्रशिक्षकों को भी पते की बातें बताईं। उनके साथ हैं मुंबई स्थित अमेरिकी कांसुलेट के कांसुल जनरल माइकल ओवन। उन्होंने मुंबई, पुणे, चेन्नई और कोलकाता में बास्केटबाल खिलाड़ियों से भी बातचीत की। वैल्श न्यू यॉर्क में रहते हैं और खेलों के माध्यम से टीम भावना, संचार तथा स्वस्थ जीवन शैली की शिक्षा देते हैं।

लिन बी. गाउकोवस्की

दलीप सिंह सौंद की आवक्ष मूर्ति का अमेरिकन सेंटर, नई दिल्ली में मई माह में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री इंद्रकुमार गुजराल ने अनावरण किया। वह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए निर्वाचित प्रथम भारतीय-अमेरिकी थे। आवक्ष मूर्ति सौंद के भतीजे अनूप सिंह ने भेंट की। इस अवसर पर अमेरिकी दूतावास के डिप्टी चीफ़ ऑफ़ मिशन स्टीवन जे. व्हाइट भी उपस्थित थे। सौंद ने 1957 से 1963 तक अपने कैलिफ़ोर्निया कांग्रेस जिले का प्रतिनिधित्व किया।

अनीस सिद्दीकी भारत में जन्मे अमेरिकी वकील हैं। वह अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हैं और उन्होंने 50 वर्ष से भी अधिक समय के बाद इस साल अप्रैल में विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के उपकुलपति तथा शिक्षकों से भेंट की। वह अपने पुराने छात्रावास में भी गए और अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा वित्त पोषित 'एक्सेस इंगलिश प्रोग्राम' में शामिल विद्यार्थियों को ऑटोग्राफ भी दिए। उनके पुत्र अदनान अमेरिकी दूतावास में सांस्कृतिक मामलों के काउंसलर हैं।

रिज़वान मिर्ज़ा